आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 27 लखनऊ, बुद्धवार 21 अक्तूबर 2026 स 27 अक्तूबर 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

विजयादशमी पर गोरखनाथ मंदिर में योगी आदित्यनाथ ने किया विशेष पूजन, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

लखनऊ/गोरखपुर। विजयादशमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में उन्होंने पीठ की पारंपरिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए चराचर जगत के कल्याण और प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। गोरक्षपीठ में विजयादशमी का विशेष पूजन–अनुष्ठान दो घंटे से अधिक समय तक चला। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शंख, डमरू, घंट, तुरही और नाथपंथ के पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। विजयादशमी के विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में हुआ। यहां शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा से ही जगतजननी आदिशक्ति की आराधना के अनुष्ठान चल रहे थे। वेदी पूजन और लोकमंगल की प्रार्थना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, अन्य साधु–संतों, संस्कृत विद्यापीठ के आचार्यों और वेदपाठी छात्रों के साथ गुरु गोरखनाथ के मुख्य मंदिर पहुंचे। गर्भगृह में मुख्यमंत्री ने नाथपंथ की परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ का विशेष पूजन किया। इस दौरान विभिन्न पूजन सामग्रियों के साथ शक्तिपीठ की वेदी पर उगाए गए जौ के ज्वारे भी अर्पित किए गए। सीएम योगी ने गुरु गोरखनाथ की आरती उतारी और हाथों से चंवर झलकर श्रद्धा एवं समर्पण भाव से सेवा की। इसके बाद उन्होंने मंदिर में प्रतिष्ठित अखंड ज्योति, विभिन्न देव विग्रहों, नाथपंथ के मनीषियों के विग्रहों, अखंड धूना, यज्ञशाला और भीम सरोवर का भी विधिवत पूजन किया। उन्होंने करबद्ध होकर महायोगी गुरु गोरखनाथ और देव विग्रहों की परिक्रमा की। अनुष्ठान के क्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज और योगिराज बाबा गंभीरनाथ महाराज समेत नाथपंथ के अन्य मनीषियों के समाधि स्थलों पर पहुंचे। उन्होंने



संतों की प्रतिमाओं के समक्ष शीश नवाया और विधिवत पूजन कर आशीर्वाद लिया। विजयादशमी के विशेष पूजन के क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोपूजन भी किया। उन्होंने गोमाता को श्रद्धाभाव से गुड़ खिलाया और गोवंश को दुलारकर गोसेवा की। इसके बाद उन्होंने भीम सरोवर में रहने वाली मछलियों को लाई खिलाई। मंदिर परिसर में इस दौरान नागफनी, शंख, ढोल, घंट, डमरू और तुरही जैसे नाथपंथ के पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ बैंड–बाजे की ध्वनि गूंजती रही। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के बीच विजयादशमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। विजयादशमी के अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर ने प्रदेशवासियों के सुखमय, शांतिमय और समृद्ध जीवन की कामना की। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित इस पारंपरिक अनुष्ठान में नाथपंथ की धार्मिक परंपराओं, गुरु–शिष्य परंपरा और लोककल्याण की भावना का संगम देखने को मिला।

शिवा शर्मा मौत मामले में बड़ा खुलासारू ५० हजार की इनामी मॉडल श्रद्धा दुबे नागपुर से गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ के बहुचर्चित शिवा शर्मा मौत मामले में पुलिस और यूपी एसटीएफ को एक बहुत बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। घटना के बाद से लगातार अपनी लोकेशन



बदलकर पुलिस को चकमा दे रही ५० हजार की इनामी मुख्य आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को नागपुर से धर दबोचा गया है। नागपुर पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम और यूपी एसटीएफ पिछले कई दिनों से लगातार इस अ परेशन पर काम कर रही थीं, जिसके बाद आखिरकार आरोपी को नागपुर–वर्धा रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के सामने आने के बाद से ही श्रद्धा दुबे और अन्य नामजद आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस ने शिकंजा कसते हुए उनपर ५० हजार रुपये का इनाम घोषित किया था और कोर्ट से गैर–जमानती वारंट भी जारी कराए गए थे। जांच के दौरान पुलिस को इनपुट मिला था कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में हैं, जिसके बाद बहराइच के रुपईडीहा बॉर्डर और कई अन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी गई थी। आखिरकार सटीक इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे नागपुर से दबोच लिया। गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले ही आरोपी श्रद्धा दुबे ने मीडिया के सामने आकर अपनी सफाई पेश की थी। उसने दावा किया था कि शिवा शर्मा की मौत हत्या नहीं बल्कि आत्महत्या थी और सीसीटीवी फुटेज से उसकी बेगुनाही साबित हो जाएगी। वहीं दूसरी ओर, मृतक शिवा के परिजनों ने शुरू से ही संगीन आरोप लगाए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर ११ गंभीर बाहरी चोटों, पसलियों और जबड़े टूटने के अलावा अंदरूनी रक्तस्राव की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने इसे हत्या मानते हुए अपनी जांच का दायरा बढ़ाया था।

इंस्टाग्राम, फेसबुक कंटेंट पर मेटा को निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सोशल मीडिया पर चल रहे सरकारी विरोधी नैरेटिव से परेशान है और उसे रोकना चाहती है। इसके लिए सरकार की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफ र्म इंस्टाग्राम और फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा को निर्देश दिया है कि वह इन दोनों प्लेटफ र्म्स के एल्गोरिदम की समीक्षा करे। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफ र्म्स पर यूजर्स को एकतरफा नैरेटिव वाला कंटेंट मिल रहा है। सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यह निर्देश १० अक्टूबर को जारी किया था लेकिन सोमवार को इसकी जानकारी सामने आई। मंत्रालय की ओर से भेजे गए निर्देश में मेटा से सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने, हिंसा भड़काने या गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली सामग्री पर ज्यादा निगरानी करने को कहा गया है। गौरतलब है कि १० अक्टूबर को ही क करोच जनता पार्टी ने दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया था। उस दिन दिन भर दिल्ली में अफरातफरी का माहौल रहा था और करीब सात हजार लोगों को हिरासत में लिया गया था। उसी दिन सरकार की ओर से मेटा से यह भी कहा गया कि विरोध, प्रदर्शनों से जुड़े फोटो, वीडियो, ग्राफिक्स और अन्य कंटेंट के साथ पर्याप्त संदर्भ दिया जाए। कहा



गया है कि ऐसे मामलों में संदर्भ देना ज्यादा जरूरी है, जहां यूजर्स कंटेंट की असलियत, तारीख, जगह या परिस्थितियों का आसानी से पता नहीं लगा सकते। मंत्रालय ने उससे यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि यूजर्स को किसी एक या सीमित संख्या वाले नैरेटिव का जरूरत से ज्यादा एक्सपोजर न मिले। यानी एक ही तरह के नैरेटिव सपोर्ट करने वाला कंटेंट ज्यादा न मिले।

सम्पादकीय

बच्चों के इंटरनेट अधिकार के साथ सुरक्षा और जवाबदेही भी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि बच्चों को भी बालिगों की तरह इंटरनेट के उपयोग का अधिकार है और 'सुरक्षा' के नाम पर उनकी पहुंच को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता, आधुनिक जीवन में इंटरनेट की बढ़ती अनिवार्यता को रेखांकित करता है। डिजिटल युग में इंटरनेट केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, सूचना, संवाद और ज्ञान प्राप्त करने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में बच्चों को इससे दूर रखने के बजाय उन्हें सुरक्षित तरीके से इसके उपयोग के योग्य बनाना अधिक व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण है। अदालत ने 'प्रतिबंध ही सुरक्षा है' जैसी प्रशासनिक सोच को खारिज करके उचित संदेश दिया है। हालांकि, इस फैसले के साथ कुछ गंभीर सवाल भी जुड़े हैं, जिन पर विचार करना जरूरी है। बच्चों को साइबरस्पेस से बाहर रखने का अर्थ कई बार उन्हें उन अवसरों से वंचित करना है, जिनकी उन्हें अपने व्यक्तित्व और क्षमताओं के विकास के लिए आवश्यकता है। खासकर दूरदराज के इलाकों में रहने वाले बच्चों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए इंटरनेट शिक्षा, जानकारी और दुनिया से जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। इस दृष्टि से इंटरनेट तक पहुंच को अधिकार के रूप में देखना बच्चों के सशक्तीकरण की दिशा में सकारात्मक कदम है। मगर अधिकार की सार्थकता तभी है, जब उसके इस्तेमाल के दौरान सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था भी मौजूद हो। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं स्वीकार किया है कि इंटरनेट की मौजूदा दुनिया बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इसके बावजूद सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्यतः 'चाइल्ड मोड' जैसी तकनीकी सुविधाओं और माता–पिता की निगरानी पर छोड़ देना पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। अ नलाइन मंचों पर बच्चों को अश्लील सामग्री, साइबर बुलिंग, अ नलाइन ठगी, अनुचित संपर्क और बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में केवल बच्चों और उनके अभिभावकों को सावधान रहने की सलाह देना समस्या का संपूर्ण समाधान नहीं है। दरअसल, इंटरनेट सेवा और डिजिटल मंच उपलब्ध कराने वाली कंपनियों की जवाबदेही भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। इन कंपनियों के पास ऐसी तकनीक और संसाधन हैं, जिनकी मदद से हानिकारक सामग्री की पहचान, उसकी पहुंच सीमित करने और बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करने में प्रभावी भूमिका निभाई जा सकती है। अदालत ने बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री हटाने पर जोर दिया है, लेकिन यदि कंपनियों के लिए प्रभावी निगरानी, नियमित तकनीकी अ डिट और नियमों के उल्लंघन पर दंड की ठोस व्यवस्था नहीं होगी, तो अपेक्षित परिणाम हासिल करना कठिन होगा। डिजिटल मंचों को केवल व्यावसायिक लाभ तक सीमित नहीं रखा जा सकता। बच्चों की सुरक्षा के प्रति उनकी जिम्मेदारी भी स्पष्ट होनी चाहिए। इस समस्या का दूसरा पहलू आर्थिक और सामाजिक असमानता है। संपन्न परिवारों के पास बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी रखने के लिए बेहतर उपकरण, तकनीकी जानकारी और संसाधन हो सकते हैं, लेकिन गरीब परिवारों की स्थिति अलग है। अनेक अभिभावक स्वयं डिजिटल साक्षर नहीं होते। उनके बच्चे सीमित संसाधनों और सस्ते स्मार्टफोन के सहारे इंटरनेट का उपयोग करते हैं। ऐसे में उनसे यह अपेक्षा करना कि वे हर समय बच्चों की अ नलाइन गतिविधियों पर नजर रखें, व्यावहारिक नहीं है। सुरक्षित उपकरण, डेटा गोपनीयता, उम्र के अनुरूप सामग्री और सरल अभिभावकीय नियंत्रण की सुविधाएं उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। इसके साथ ही स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा की शिक्षा दी जानी चाहिए। इंटरनेट के अधिकार को लेकर भारत में एक व्यापक विरोधाभास भी दिखाई देता है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही कह चुका है कि इंटरनेट सेवाओं पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध स्वीकार्य नहीं हैं और इंटरनेट तक पहुंच का अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से गहरा संबंध है। इसके बावजूद इंटरनेट शटडाउन की घटनाएं अधिकारों की व्यावहारिक स्थिति पर सवाल खड़े करती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि न्यायिक घोषणाओं को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन और जवाबदेही अनिवार्य है। बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना समाधान नहीं है, लेकिन उन्हें असुरक्षित डिजिटल दुनिया के भरोसे छोड़ देना भी उचित नहीं। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें बच्चों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और निजता के बीच संतुलन कायम हो। इसके लिए सरकार, न्यायपालिका, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों और डिजिटल मंचों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। इंटरनेट तक पहुंच का अधिकार तभी वास्तविक सशक्तीकरण बनेगा, जब उसके साथ सुरक्षित उपयोग की गारंटी और नियमों के उल्लंघन पर जवाबदेही भी सुनिश्चित हो।

गोरखपुर में निकला सीएम योगी का विजयादशमी जुलूस, फूलों से हुआ भव्य स्वागत

लखनऊ/गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर में अपने पारंपरिक और अलौकिक अंदाज में विजयादशमी के जुलूस का नेतृत्व किया। नाथपंथ के पारंपरिक परिधान में सुसज्जित होकर जब सीएम योगी विजयरथ पर सवार हुए, तो पूरा शहर श्जय श्रीरामश के जयकारों और तुरही, नगाड़ों व बैंड–बाजे की गूंज से गूंज उठा। यह भव्य शोभायात्रा गोरखनाथ मंदिर से निकलकर मानसरोवर मंदिर और वहां से मानसरोवर रामलीला मैदान तक पहुंची। इस यात्रा के दौरान एक बार फिर गोरखपुर की ऐतिहासिक और साझी संसेंति (गंगा–जमुनी तहजीब) की खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली, जब रास्ते में विभिन्न समुदायों के लोगों ने बढ़–चढ़कर इस पर्व में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। शोभायात्रा के दौरान सबसे पहले सीएम योगी मानसरोवर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने देवाधिदेव भगवान शिव की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। इसके बाद यात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंची। यहां मंच पर पहुंचकर



उन्होंने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की भूमिका निभा रहे कलाकारों की आरती उतारी और उनका राजतिलक किया। इस दौरान आर्य नगर रामलीला समिति के अध्यक्ष पुष्पदंत जैन ने अंगवस्त्र पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस जुलूस की सबसे खास बात यह रही कि मंदिर परिसर से बाहर निकलते ही मुस्लिम समुदाय, बुनकरों और सिंधी समाज के लोगों ने अभूतपूर्व तरीके से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के पूर्व चेयरमैन चौधरी कैफुलवरा ने सीएम योगी को माला पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने भी सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए मंदिर के नौ दिनों के शारदीय नवरात्र अनुष्ठानों का पवित्र प्रसाद चौधरी कैफुलवरा और समुदाय के अन्य सदस्यों को वितरित किया। चौधरी कैफुलवरा ने बताया कि उनका पूरा परिवार पीढ़ियों से इस पारंपरिक जुलूस का स्वागत करता आ रहा है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश हज कमेटी के सदस्योंजुनैद अहमद अंसारी और अजीजुल हई तथा बुनकर वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने भी जुलूस का गर्मजोशी से स्वागत किया।वहीं, सिंधी समुदाय के लोगों ने श्री झूलेलाल मंदिर के पास मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का स्वागत किया और मानसरोवर मंदिर की ओर बढ़ रहे जुलूस पर पुष्प वर्षा की। यह आयोजन एक बार फिर इस बात का गवाह बना कि कैसे आस्था, परंपरा और आपसी भाईचारे का यह संगम गोरखपुर की पहचान को और अधिक मजबूत करता है।

'पदक लाओ, पद पाओ' के तहत खिलाड़ियों की सीधी भर्तीः योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश में अब 'पदक लाओ, पद पाओ' के तहत खिलाड़ियों की सीधी भर्ती हो रही है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर पिछली सरकार के कार्यकाल पर निशाना साधते हुये कहा वर्ष २०१७ से पहले प्रदेश में भय और अराजकता का ऐसा माहौल था, जहां बेटियों के सपनों पर पहरे थे, हौसलों पर बंदिशें थीं और प्रतिभा अवसर के अभाव में दम तोड़ने को मजबूर थी। खेल के मैदान माफिया के कब्जे में थे, संसाधन नदारद थे और बेटियों की उड़ान को पंख देने के बजाय, उनके सपनों को चारदीवारी में कैद कर दिया गया था। उन्होने कहा कि विगत साढ़े ६ वर्षों में प्रदेश में बदलाव की नई गाथा लिखी गई है। भय का स्थान सुरक्षा ने लिया है, उपेक्षा का स्थान प्रोत्साहन ने लिया है और संसाधनों के अभाव का स्थान खेल सुविधाओं के विस्तार ने लिया है। गांव के खेल मैदानों और ब्लॉक स्तरीय मिनी स्टेडियम से लेकर जिला स्तरीय स्टेडियम, मंडल स्तरीय स्पोर्ट्स क लेज तथा मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय तक, बेटियों को अपनी प्रतिभा निखारने का सशक्त आधार मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ओलंपिक, कॉमनवेल्थ एवं एशियन गेम्स के पदक विजेताओं को लाखों–करोड़ों के पुरस्कार और 'पदक लाओ, पद पाओ' के तहत सीधी भर्ती जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। सरकार खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन, उपलब्धियों को सम्मान और भविष्य को सुरक्षा प्रदान कर रही है। इस परिवर्तन की गूंज अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर भी सुनाई दे रही है। एथलेटिक्स में पारुल चौधरी, प्रियंका गोस्वामी, प्राची चौधरी और अन्नू रानी, जूडो में अस्मिता डे, क्रिकेट में दीप्ति शर्मा और मेघना सिंह, ह की में वंदना कटारिया, कुश्ती में दिव्या काकरान ने कॉमनवेल्थ एवं एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

यूपी एमएलसी चुनाव २०२६ : ११ सीटों पर थमा चुनाव प्रचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की ११ सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव के लिए आज (बुधवार को) शाम चार बजे चुनाव प्रचार थम गया। इन सीटों के लिए २३ अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान कराया जाएगा। इन सभी सीटों पर चुनाव मैदान में १५२ प्रत्याशी रह गए हैं। इनमें पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, चुनाव में कुल १४,८१,३१० मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ से १६, वाराणसी से २४, आगरा से १३, मेरठ से आठ और इलाहाबाद–झांसी से १३ प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। प्रत्याशियों की संख्या के लिहाज से वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र सबसे आगे है, जबकि लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में ३,१३,५३१ मतदाता हैं। छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ से १३, वाराणसी से १०, आगरा से १२, मेरठ से १०, बरेली–मुरादाबाद से १७ और गोरखपुर–फैजाबाद से १६ प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। मतदान के लिए प्रदेशभर में कुल २,६६७ मतदान स्थल बनाए गए हैं। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में १,७४० और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में ६५७ मतदान स्थल शामिल हैं। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद अब प्रत्याशियों का जोर मतदाताओं तक पहुंचने और मतदान के दिन अपने पक्ष में समर्थन जुटाने पर रहेगा। २३ अक्टूबर को होने वाले मतदान में मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

यूपी चुनाव २०२७ः प्रियंका गांधी ने संभाली कमान, सपा से गठबंधन के लिए १५० से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस की नजर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव २०२७ से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर सियासी चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों दलों के साथ आने की अटकलों के बीच कांग्रेस ने सीट बंटवारे को लेकर अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कह चुके हैं। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में पार्टी की तैयारियों की कमान संभाल ली है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस प्रदेश की उन विधानसभा सीटों की पहचान कर रही है, जहां पार्टी अपनी दावेदारी मजबूत मानती है। पार्टी के भीतर इन सीटों को लेकर मंथन चल रहा है। चर्चा है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में १५० से अधिक सीटों पर अपना दावा पेश कर सकती है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सक्रिय नजर आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को उन्होंने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद के साथ बैठक की। बताया जा रहा है कि बैठक में उन विधानसभा सीटों पर चर्चा हुई, जहां कांग्रेस अपनी दावेदारी पेश करना चाहती है। पार्टी स्तर पर सीटों की सूची तैयार करने और



चुनावी संभावनाओं का आकलन करने की कवायद चल रही है। सीटों को लेकर दोनों दलों के बीच बातचीत की तैयारी भी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, आने वाले कुछ दिनों में समाजवादी पार्टी के साथ सीट शेयरिंग पर चर्चा के लिए कांग्रेस की ओर से एक टीम गठित की जा सकती है। योजना के मुताबिक, पहले कांग्रेस और सपा अपनी–अपनी दावेदारी वाली सीटों की सूची तैयार करेंगी और एक–दूसरे के साथ साझा करेंगी। इसके बाद दोनों दलों के प्रतिनिधि ा आमने–सामने बैठकर सीटों के बंटवारे पर चर्चा करेंगे। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन की संभावनाओं के बावजूद सीट शेयरिंग को लेकर सहमति बनाना अहम चुनौती माना जा रहा है। कांग्रेस जहां अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है, वहीं सपा भी सीटों के बंटवारे में जीत की संभावना को आधार बनाने की बात कह चुकी है। हाल ही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि कांग्रेस के साथ गठबंधन होगा, लेकिन सीटों के बंटवारे का आधार जीत होना चाहिए। उनके मुताबिक, जिस सीट पर जिस उम्मीदवार या पार्टी के जीतने की संभावना अधिक होगी, वहां उसी का दावा मजबूत होना चाहिए। ऐसे में यूपी विधानसभा चुनाव २०२७ से पहले कांग्रेस और सपा के बीच सीटों को लेकर होने वाली बातचीत पर सबकी नजरें रहेंगी। गठबंधन की तस्वीर और सीट बंटवारे का अंतिम फ मूला दोनों दलों के बीच होने वाली चर्चा के बाद ही स्पष्ट होगा।

एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में गड़बड़ी, फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाते हुए सोमवार को कहा कि इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद भी मतदाता सूची में गड़बड़ी है और उसमें फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल हैं। सपा मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, अखिलेश ने कहा एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में गड़बड़ी है और उसमें फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल हैं। कई जगहों पर एक ही व्यक्ति एक से ज्यादा मतदान केंद्रों पर मतदाता के रूप में पंजीकृत है। बयान में अखिलाश ने दावा किया कि "निर्वाचन आयोग ने भी इन गड़बिड़यों को स्वीकार किया है, हालांकि वह इन्हें छोटी–मोटी गलती बता रहा है। उन्होंने कहा यह छोटी–मोटी नहीं, बल्कि बहुत मोटी गड़बड़ी है। अखिलेश ने सोमवार को लखनऊ के गोमती नगर में पूर्व मंत्री विद्या चौधरी के आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा पूरा देश जानता है कि जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हारने लगती है, तो वह बेईमानी और चोरी पर उतर आती है। अखिलेश ने आरोप लगाया भाजपा निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से बेईमानी करती है। निर्वाचन आयोग भाजपा



के इशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा अगर विपक्षी दल और आम जनता निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हैं, तो भाजपा को क्यों दर्द होता है? भाजपा बचाव के लिए क्यों सामने आती है?" अखिलेश ने "मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनावों में वोटों की लूट" को लेकर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दावा किया कि सपा ने मतदाता सूची में गड़बड़ी और उपचुनाव में "वोटों की चोरी" को लेकर निर्वाचन आयोग से सबूतों के साथ शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अखिलेश ने कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे भाजपा के इशारे पर काम नहीं करना चाहिए।

शिवा शर्मा मर्डर मिस्ट्रीः फरार चल रही मॉडल श्रद्धा दुबे ने पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार ठिकाने बदले

लखनऊ। लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में फरार चल रही म डल श्रद्धा दुबे ने पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार ठिकाने बदले। कभी नेपाल में होने की सूचना, फिर लखनऊ और आगरा में मौजूदगी के इनपुट और आखिरकार महाराष्ट्र के नागपुर में गिरफ्तारी। करीब ११ दिन तक चली तलाश का अंत मंगलवार को हुआ। लगातार दबिश और तकनीकी निगरानी के बावजूद आरोपियों का हाथ न लगना पुलिस के लिए चुनौती बन गया था। अंततः एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में यूपी एसटीएफ और लखनऊ पुलिस की संयुक्त टीम ने श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया। नागपुर पुलिस के सहयोग से हुई इस कार्रवाई के बाद अब तीनों को लखनऊ लाकर पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी है। जांच से जुड़े इनपुट के अनुसार, घटना के दिन ही एक सचिवालय पास लगी गाड़ी उसकी मदद में आ धमकी थी। पुलिस को शुरुआत में आरोपियों के नेपाल भागने की आशंका थी। भारत–नेपाल सीमा के पास श्रद्धा के नाम से जुड़ी एसयूवी मिलने और नेपाल की ओर आवाजाही के संकेतों के बाद तलाश का दायरा बढ़ाया गया। बाद में लखनऊ आकर जब वह एक मीडिया एजेंसी को बाइट देकर आगरा चली गई तो पुलिस की किरकिरी तेज हो गई। इसके बाद एसटीएफ ने जिम्मा संभाला। संभावित ठिकाने की जानकारी सामने आई। आगरा के एक होटल में श्रद्धा के ठहरने और वहां के सीसीटीवी फुटेज को लेकर भी खबरें आईं। इसके बाद तीनों के नागपुर पहुंचने की जानकारी मिली, जहां संयुक्त टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।बताया गया है कि आरोपियों की तलाश में वाहन के पंजीकरण संबंधी जानकारी, आईपी एड्रेस और दूसरे तकनीकी इनपुट की मदद ली गई। हालांकि, नेपाल से लखनऊ–आगरा, और वहां से नागपुर तक पहुंचने के दौरान उन्होंने किन साधनों का इस्तेमाल किया, किसने मदद की और किन स्थानों पर रुके, इसका विस्तृत ब्योरा आधि ाकारिक तौर पर सामने आना बाकी है। पुलिस अब फरारी के दौरान उनके संपर्कों और संभावित मददगारों की भी पड़ताल कर सकती है। शिवा शर्मा की मौत के बाद श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर तनवीर उर्फ दानिश के फरार होने पर पुलिस ने पहले २५–२५ हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। बाद में प्रत्येक आरोपी पर इनाम बढ़ाकर ५०–५० हजार रुपये कर दिया गया। इसी बीच पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई ने मामले को और चर्चा में ला दिया। डीसीपी विक्रांतवीर को डीजीपी कार्यालय से संबद्ध किया गया, जबकि हजरतगंज थाने के



प्रभारी विक्रम सिंह को उनके पद से हटाया गया। एसीपी रजनीश वर्मा को भी क्राइम ब्रांच भेजे जाने की सूचना सामने आई। लगातार बदलती लोकेशन और गिरफ्तारी से पहले श्रद्धा के वीडियो तथा मीडिया में सामने आने को लेकर भी सवाल उठे थे। वह वीडियो संदेशों में खुद को गायब नहीं बताते हुए पुलिस के सामने अपना पक्ष रखने की बात कहती रही। अब गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उसके दावों और घटनाक्रम का मिलान साक्ष्यों से करना होगा। नौ अक्टूबर को लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरने के बाद कारोबारी शिवा शर्मा की मौत हो गई थी। मृतक की मां रंजना शर्मा ने श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि, ड्राइवर तनवीर और अन्य लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। उनकी शिकायत पर हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा १०३(१) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया था। परिजनों का आरोप है कि शिवा के साथ मारपीट की गई और फिर उन्हें चौथी मंजिल से नीचे धक्का दिया गया। मां के मुताबिक, शिवा पिछले करीब चार महीने से श्रद्धा के संपर्क में था और दोनों लिव–इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। दूसरी ओर, श्रद्धा दुबे ने अपने वीडियो में हत्या के आरोपों से इनकार करते हुए शिवा की मौत को आत्महत्या बताया था। उसने मामले में सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग भी की थी। ऐसे में पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि शिवा की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल के साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल फोन और आरोपियों के बयान जांच की दिशा तय करेंगे। गिरफ्तारी को आरोपों की पुष्टि नहीं माना जा सकताय मामले में प्रत्येक आरोपी की भूमिका साक्ष्यों के आधार पर ही निर्धारित होगी। फरारी में किसने की मदद? नेपाल, लखनऊ, आगरा और नागपुर के बीच आरोपियों की आवाजाही के दौरान किन लोगों से संपर्क हुआ, इसकी जांच अहम होगी।लोकेशन कैसे बदलते रहे? वाहन के पंजीकरण, डिजिटल गतिविधियों और दूसरे तकनीकी इनपुट से उनके सफर की समयरेखा तैयार की जा सकती है। होटल और सीसीटीवी से क्या मिलेगा? आगरा समेत संभावित ठिकानों के फुटेज और उपलब्ध रिक र्ड से आरोपियों की मौजूदगी की पुष्टि हो सकती है।तीनों की भूमिका क्या थी? शिवा की मौत से पहले और बाद की गतिविधियों, आपसी बातचीत तथा घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों का मिलान किया जाएगा। क्या कोई मददगार भी था? फरारी के दौरान किसी व्यक्ति ने ठहरने, यात्रा या अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराईं या नहीं, इसकी पुष्टि जांच से होगी।

जयशंकर और रूबियो की मुलाकात आज

नई दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को मुंबई में मिलेंगे। दोनों नेताओं के बीच व्यापार और सामरिक विषयों के साथ साथ सभी दोपक्षीय मसलों पर बातचीत होगी। इस मुलाकात के बाद रूबियो गुजरात के जामनगर जाएंगे, जहां वे रिलायंस समूह की रिफाइनरी का दौरा करेंगे। रिलायंस समूह के प्रमुख मुकेश अंबानी से भी उनकी मुलाकात होगी। बहरहाल, रूबियो का दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत और अमेरिका के संबंध बहुत अच्छे नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ लगाने की धमकी और तेल खरीद को नियंत्रित करने के प्रयासों के कारण दोनों देशों में तनाव आया है। दोनों देशों के बीच व्यापार संधि अटकी है। उधर राष्ट्रपति ट्रंप भारतीय पेशेवरों के लिए वीजा पाना मुश्किल बना रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के शहबाज, मुनीर प्रशासन के साथ भी खूब नजदीकी बढ़ाई है। बताया जा रहा है कि जयशंकर और रूबियो भारत व अमेरिका के संबंधों में आए तनाव को दूर करने के उपायों पर चर्चा करेंगे। जानकार अधिकारियों का कहना है, 'बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक



होगी, जिसमें दोपक्षीय संबंधों को लेकर ज्यादा फोकस रहेगा'। गौरतलब है कि इस साल रुबियो दूसरी बार भारत आ रहे हैं। उनकी पिछली यात्रा का मुख्य केंद्र क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक थी, जहां भारत के साथ अलग से सीमित चर्चा हुई थी। इस अमेरिकी विदेश मंत्री की यात्रा का एजेंडा साफ तौर पर भारत के साथ दोपक्षीय संबंधों को सुधारने और मजबूत करने पर केंद्रित है। अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार की मुलाकात पुरानी बैठकों से काफी अलग होगी, क्योंकि इसमें क्वाड जैसे बहुपक्षीय मंच की छाया नहीं रहेगी। यह पूरी तरह दोपक्षीय होगी और दोनों पक्ष खुले मन से मुद्दों पर बात करेंगे। ट्रंप प्रशासन पहले ही बता चुका है कि रुबियो की यात्रा में ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग काफी अहम रहने वाला है। मुंबई की दोपक्षीय वार्ता के के बाद रूबियो जामनगर जाएंगे, जहां रिलायंस समूह के प्रतिनिधियों के साथ उनकी अलग बैठक होगी। इसमें रिलायंस की तरफ से अमेरिका में लगाई जाने वाली रिफाइनरी, वेनेजुएला से उत्पादित क्रूड की खरीद, रिलायंस की रिफाइनरी से डीजल आपूर्ति जैसे मुद्दे शामिल होंगे। यह पहला मौका है जब कोई अमेरिकी विदेश मंत्री अपनी पूरी आधिकारिक टीम के साथ जामनगर जा रहा है, जहां रिलायंस की रिफाइनरी स्थिति है।

बॉन्ड भरने के आदेश को नेहा ने चुनौती दी

नई दिल्ली। सीपीआई एमएल के छात्र संगठन आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा ने जमानत देने के लिए बॉन्ड भरने के पुलिस के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। नेहा बोरा शुक्रवार, १६ अक्टूबर को कन टॉप्लेस के सेंट्रल पार्क के तिरंगा मार्च में शामिल होने गई थीं, जहां उनको हिरासत में ले लिया गया था। शनिवार की सुबह पांच बजे उनको छोड़ा गया लेकिन उससे पहले उनसे शांति बनाए रखने का एक बॉन्ड भरवाया गया। गौरतलब है कि इसी तरह के बॉन्ड भर कर ११ अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका हिरासत से छूटे थे। इन तीनों को १० अक्टूबर को इंदिरा गांधी अतंरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से हिरासत में लिया गया था। बाद में बॉन्ड की शर्तों के उल्लंघन के मामले में सौरव दास और आशुतोष रांका फिर से हिरासत में लिए गए। दोनों छह दिन से जेल में बंद हैं। बहरहाल, नेहा बोरा ने बॉन्ड भरवाने की पुलिस की कार्रवाई को चुनौती



दी है। बताया जा रहा है कि वे हाई कोर्ट में इस मामले में जल्दी सुनवाई की अपील कर सकती हैं। परंतु दशहरा की वजह से इस हफ्ते हाई कोर्ट में छुट्टी है। पुलिस के बॉन्ड को चुनौती देने के लिए वे सोमवार को अदालत पहुंचीं।

कॉजपा नेताओं की न्यायिक हिरासत दो दिनों के लिए बढ़ायी गयी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (क जपा) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को सोमवार को मंदिर मार्ग पुलिस थाने में नवनियुक्त विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया और दोनों को और दो दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम कॉजपा के उन आरोपों के बीच हुआ, जिनमें कहा गया है कि इस मामले में जमानत की कार्यवाही जानबूझकर विलंबित की जा रही है, ताकि इसके दो सह–संयोजकों की रिहायी रोकी जा सके। इससे पहले दोनों को जंतर–मंतर पर प्रदर्शन के लिए लगाई गई पाबंदियों का उल्लंघन करने के बाद १३ अक्टूबर को शुरुआती तौर पर पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। दोनों को कथित तौर पर ताला लगे गेट को फांदकर जंतर–मंतर में प्रवेश करने के बाद हिरासत में लिया गया था। जंतर–मंतर को इससे पहले निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया गया था। अन्य कॉजपा कार्यकर्ताओं के साथ दास और राकां ने उस दिन घटनास्थल पर राष्ट्र ध्वज प्रदर्शित किया था और



मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे लगाए थे। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर एहतियातन गिरफ्तार कर लिया गया था। दोनों को बाद में एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया था और मजिस्ट्रेट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को पुलिस ने दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसके बाद अदालत ने उन्हें दो और दिनों के लिए जेल भेज दिया। उन्होंने बताया कि दास और रांका को अब बुधवार को पेश किया जाएगा। रविवार को, दोनों की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने अज्ञात लोगों द्वारा धमकी दिए जाने का दावा किया, जिसके बाद पुलिस ने एक गैर–संज्ञेय मामला दर्ज किया। कॉजपा संस्थापक अभिजीत दीपके ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, था सरकार जानबूझकर आशु (आशुतोष) और सौरव की अवैध गिरफ्तारी को लंबा खींच रही है। वह अदालती कार्यवाही विलंबित करने और उनकी रिहाई को रोकने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। कॉजपा ने यह भी आरोप लगाया कि उनके नेताओं की रिहाई के लिए दी गई जमानतदारों की गारंटी को 'अस्पष्ट' आधारों पर खारिज कर दिया गया।

टाइगर श्रॉफ की कार पर हमले की जांच जारी

मुम्बई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के पॉश जुहू इलाके में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हुई सनसनीखेज गोलीबारी की घटना पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए भरोसा दिलाया है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रविवार शाम मोटरसाइकिल सवार



अज्ञात हमलावरों ने अभिनेता की कार पर गोलियां चलाईं, जिसमें उनका ड्राइवर घायल हो गया। टाइगर श्रॉफ हालांकि बाल–बाल बच गए और उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई लेकिन मनोरंजन जगत की इस राजधानी में सरेआम हुई इस वारदात ने सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। सुश्री पवार ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने एक संदेश में कहा कि सरकार के लिए हर नागरिक की सुरक्षा सर्वोपरि है।उन्होंने लिखा अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हुई गोलीबारी का यह मामला बेहद निंदनीय है। अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुंबई में हर एक नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार शहर में शांति और कानून– व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

यमन के सैन्य शिविर पर मिसाइल हमले में २५ सैनिकों की मौत, ३० घायल

नई दिल्ली। यमन के दक्षिण–पूर्वी प्रांत शबवा में सोमवार को एक सरकारी सैन्य प्रशिक्षण ठिकाने पर मिसाइलें हमलों में कम से कम २५ सैनिकों की जान चली गई और ३० से अधिक घायल हो गए। प्रांतीय राजधानी अताक के पास जरदान जिले में स्थित अल–आलम सैन्य अड्डे पर गिरी तीनों मिसाइलों ने परिसर के भीतर बने एक प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। एक सैन्य अधिकारी ने इस हमले के पीछे हुती विद्रोहियों का हाथ बताया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे फुटेज में घटनास्थल पर भारी तबाही और हताहत लोग दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय चिकित्सा सूत्र ने बताया कि हताहतों का यह आंकड़ा शुरुआती है और इसमें बढ़ोतरी हो सकती है। चिकित्सा सूत्र के अनुसार, आपातकालीन और मेडिकल टीमें घायलों को शबवा के अस्पतालों में पहुंचाने में जुटी हैं। शिविर से बरामद कुछ शव बुरी तरह झुलस चुके



हैं, जिससे मृतकों की अंतिम संख्या तय करने में मुश्किलें आ रही हैं। जरदान जिले में स्थित अल–आलम एक बड़ा सैन्य ठिकाना है। इसका इस्तेमाल यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन करने वाले बल करते हैं। हुती विद्रोहियों ने फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह वारदात ऐसे समय में हुई है, जब यमन के कई मोर्चों पर हुती विद्रोहियों और सऊदी गठबंधन समर्थित सरकारी बलों के बीच लड़ाई और हमले तेज हो गए हैं। यमन २०१४ के उत्तरार्ध से ही भयानक संघर्ष में फंसा हुआ है, जब हूतियों ने राजधानी सना और देश के अधिकतर उत्तरी हिस्से पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के समर्थन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने २०१५ में सैन्य हस्तक्षेप किया था।

इजरायल चुनावः ट्रंप ने किया नेतान्याहू का समर्थन

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने २७ अक्टूबर को होने वाले संसदीय चुनावों में कड़े मुकाबले का सामना कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू का औपचारिक रूप से समर्थन किया है। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी पोस्ट में श्री ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध में अमरीका का साथ देने के लिए इजरायली नेता की सराहना की। उन्होंने कहा कि वे श्री नेतान्याहू को अपना 'पूर्ण और समग्र समर्थन' दे रहे हैं। श्री ट्रंप ने लिखा बीबी नेतान्याहू आपको कभी निराश नहीं करेंगे! अमरीकी राष्ट्रपति का यह समर्थन इजरायली चुनाव से ठीक नौ दिन पहले सामने आया है, जबकि इससे पहले अटकलें लगाई जा रही थीं कि शायद वे किसी का समर्थन नहीं करेंगे। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में दिए साक्षात्कार में जब श्री ट्रंप से इजरायली प्रधानमंत्री के कामकाज को लेकर बार–बार सवाल पूछे गए थे, तो उन्होंने नेतान्याहू का समर्थन करने से इनकार कर दिया था। साक्षात्कारकर्ता के जोर देने पर भी श्री ट्रंप इस मुद्दे से बचते रहे और बातचीत को अपनी लोकप्रियता तथा पश्चिम एशिया की सुरक्षा की ओर मोड़ दिया। श्री ट्रंप ने रविवार को समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' को दिए साक्षात्कार में कहा कि नेतन्याहू का समर्थन करने को लेकर उनके मन में कभी कोई संदेह नहीं था। श्री ट्रंप ने संक्षिप्त टेलीफोन वार्ता में कहा मैं हमेशा से उनका समर्थन करने वाला था, बस बहुत जल्दी ऐसा नहीं करना चाहता था। यह जरूरी है कि इजरायल के पास एक ऐसा नेता हो जिस पर भरोसा किया जा सके। एक्सियोस के अनुसार, जब श्री ट्रंप से पूछा गया कि क्या वे नेतन्याहू के अलावा



किसी अन्य इजरायली नेता के साथ काम कर सकते हैं, तो उन्होंने गोलमोल जवाब दिया। श्री ट्रंप ने कहा शायद करूं, शायद न भी करूं, लेकिन यह जोखिम कौन लेना चाहता है?" समर्थन का ऐलान करते हुए श्री ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने तर्क दिया कि अगर वे पहल न करते तो ईरान जल्द ही अमरीका और इजरायल दोनों पर हमला कर देता। श्री ट्रंप ने कहा कि इस युद्ध ने सैन्य और वित्तीय रूप से ईरान को पूरी तरह तबाह कर दिया है, और अगर उसने जल्द ही अपना रवैया नहीं बदला तो काम पूरा कर दिया जाएगा। श्री ट्रंप ने लिखा यदि इजरायल में गलत नेता चुना गया, जो श्री बीबी (नेतन्याहू) के अलावा कोई भी हो सकता है, तो अमरीका को यह काम अकेले करना पड़ेगा, और मेरी ऐसी कोई मंशा नहीं है। उन्होंने लिखा इजरायल के भीतर से भी हो रहे भारी विरोध के बावजूद श्री बीबी नेतन्याहू पूरी मजबूती, साहस और बुद्धिमत्ता से टिके रहे हैं। श्री ट्रंप के इस बयान के जवाब में श्री नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर अमरीकी राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया।श्री नेतन्याहू ने कहा आपके इस अभूतपूर्व समर्थन से मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। ह्वाइट हाउस में इजरायल का इससे बड़ा दोस्त कभी नहीं रहा। ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर हो रही घरेलू आलोचनाओं के आगे न झुकने के लिए श्री नेतन्याहू ने श्री ट्रंप की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने महंगाई से जूझ रहे अमरीकी मतदाताओं से सीधे अपील करते हुए श्री ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन किया। श्री नेतन्याहू ने कहा मैं अमरीकी जनता से कहना चाहता हूं कि अगर आप आज ईंधन की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं, तो सोचिए कि अगर ईरान ने परमाणु हथियार हासिल कर लिए तो क्या होगा। ऐसा हम और श्री डोनाल्ड ट्रंप कभी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा जब उस शासन का खतरा खत्म हो जाएगा, तो ईंधन के दाम तेजी से नीचे आ जाएंगे। लेकिन ऐसा केवल श्री ट्रंप के नेतृत्व में ही संभव है, उन लोगों के हाथ में नहीं जो तानाशाहों के आगे झुकना चाहते हैं।

रांका, सौरव को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका की विजयादशमी तिहाड़ जेल में ही मनेगी। दोनों को सोमवार को जमानत नहीं मिली। सौरव और रांका को सोमवार को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट, एसईएम के सामने पेश किया गया। वहां पुलिस ने दोनों की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की। पुलिस की मांग पर मजिस्ट्रेट ने दोनों को दो दिन और जेल में रखने का आदेश दिया। अब उन्हें बुधवार को फिर पेश किया जाएगा। गौरतलब है कि दोनों को १३ अक्टूबर को जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। एसईएम कोर्ट ने उन्हें १४ अक्टूबर को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा था। दोनों को रविवार, १८ अक्टूबर को अदालत में पेश किया जाना था। लेकिन उससे पहले मजिस्ट्रेट ने कहा कि इन दोनों की रिहाई के लिए उनको धमकी भरे मैसेज मिल रहे हैं। सोमवार को भी सुनवाई में ज्यादा समय धमकी भरे मैसेज पर ही चर्चा हुई। कॉकरोच जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि सौरव दास और आशुतोष रांका की रिहाई में जान बूझकर देरी की जा रही है। सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने कहा, 'रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील दोपहर १२ बजे से इंतजार के बाद शाम करीब साढ़े पांच बजे पहुंचे'। उनका आरोप है कि दोनों नेताओं की रिहाई पर सुनवाई करने की बजाय मजिस्ट्रेट को मिले धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई। रत्ना सिंह ने सवाल उठाया कि इस तरह के मैसेज का दोनों नेताओं की जमानत से क्या संबंध है? उन्होंने कहा कि सीजेपी ने मैसेज भेजने वाले की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग



की, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। सीजेपी का यह भी आरोप है कि दोनों नेताओं के जमानतदारों के दस्तावेजों की जांच में देरी की गई। उनके मुताबिक, चार जमानतदारों को साफ वजह बताए बिना खारिज कर दिया गया। जमानत के लिए बैंक की मुहर वाली फिक्स्ड डिप जिट रसीद को दोबारा मंजूरी के लिए पेश करने पर भी पार्टी ने सवाल उठाए। उधर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि दोनों नेताओं को जेल में रखने के लिए जमानत की प्रक्रिया में देरी की जा रही है। पार्टी ने कहा कि वह दोनों की रिहाई के लिए आगे भी कानूनी लड़ाई लड़ेगी।

शोभायात्रा रोककर एंबुलेंस को दिया रास्ता, मानवता की मिसाल बनी व्यवस्था

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर से निकल रही शोभायात्रा के दौरान मंदिर के गेट के पास एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए शोभायात्रा को कुछ देर के लिए रोक दिया गया। एंबुलेंस के पहुंचते ही रास्ता खाली कराया गया और उसे सुरक्षित आगे जाने दिया गया। इसके बाद शोभायात्रा फिर आगे बढ़ी। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था के बीच एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए उठाए गए इस कदम ने आपातकालीन सेवाओं के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाया। मौके पर मौजूद लोगों ने भी एंबुलेंस के



लिए रास्ता बनाए जाने में सहयोग किया। इस दौरान मरीज को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके, इसे प्राथमिकता दी गई। आमतौर पर बड़े धार्मिक आयोजनों और शोभायात्राओं के दौरान यातायात को व्यवस्थित रखना चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में एंबुलेंस को प्राथमिकता देकर रास्ता उपलब्ध कराना जरूरी होता है। गोरखनाथ मंदिर के गेट के पास शोभायात्रा को रोककर एंबुलेंस को पास कराने की घटना ने यह संदेश दिया कि धार्मिक आयोजन और जनसुरक्षा के साथ–साथ आपातकालीन सेवाओं का निर्बाध संचालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

मस्क एक लाख करोड़ का शेयर बच्चों को देंगे

नई दिल्ली। अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले मिड टर्म इलेक्शन से पहले दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इल न मस्क ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ र्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि वे अमेरिका के सात करोड़ बच्चों के बीच एक लाख करोड़ रुपए का शेयर बांटेंगे। मस्क ने कहा है कि वे अमेरिकी बच्चों को अपनी सेटेलाइट बनाने वाली अपनी कंपनी स्पेसएक्स का एक एक शेयर देंगे। गौरतलब है कि मस्क राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बहुत करीबी हैं और उनके लिए चुनाव प्रचार भी करते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप भी बच्चों के लिए 'ट्रंप अकाउंट' खोल कर उसमें एक एक हजार डॉलर डालने वाले हैं। बहरहाल, मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के एक शेयर की कीमत अभी १४६ डॉलर यानी करीब १४ हजार रुपए के बराबर है।



अमेरिका में करीब ७.२ करोड़ बच्चे हैं। ऐसे में बांटे जाने वाले शेयरों की कीमत एक लाख करोड़ रुपए होगी। हालांकि मस्क ने यह नहीं बताया है कि बच्चों तक शेयर कैसे पहुंचेंगे, क्या पैरेंट्स के नाम से शेयर जारी होंगे, क्या पैरेंट्स इनको बेच सकेंगे, सभी बच्चों को शेयर मिलेंगे या उनमें कुछ पैमाना तय होगा? गौरतलब है कि ३० जून २०२६ तक की एक रेगुलेटरी फाइलिंग के मुताबिक स्पेसएक्स में मस्क की कुल हिस्सेदारी ४८.४ फीसदी है। इस समय मस्क की हिस्सेदारी की कुल कीमत करीब ८६० बिलियन ड लर यानी करीब ८० लाख करोड़ रुपए है। मस्क ने अपने पोस्ट में कहा कि यह कई योजनाओं में से सिर्फ पहली योजना है। इससे साफ है कि वे आने वाले दिनों में कुछ और बड़े ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, उनकी बाकी योजनाएं क्या हैं और उनके बारे में वे कब बताएंगे, इसका उन्होंने कोई टाइमटेबल नहीं दिया है।

मणिपुर में चार लोगों की हत्या

इम्फाल। हिंसा प्रभावित मणिपुर में सोमवार को एक बार फिर कई बड़ी वारदातें हुई हैं। दो अलग अलग घटनाओ में चार लोगों की हत्या कर दी गई है। इन घटनाओं से नाराज स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री आवास के सामने शव रख कर प्रदर्शन किया। असल में रविवार की रात को थौबल जिले में दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इसके अलावा सोमवार की सुबह जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। हिंसा की इन घटनाओं से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने राजधानी इम्फाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। बहरहाल, थौबल के अलावा दूसरी घटना इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं और तीन लोग अब भी लापता हैं। घटना कांगपोकपी के खोंगबाल सुनुरोक उयोक में हुई। उग्रवादी की हिंसा में मारे गए तीनों लोगों की पहचान कर ली गई है। अधिकारियों के मुताबिक, वे लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे। इसी दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया। घटना में घायल लोगों में से एक की हालत गंभीर है। घटना से नाराज स्थानीय लोग शवों को राज्य की राजधानी इम्फाल ले आए। उन्होंने बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री आवास के मुख्य गेट के बाहर शव रख दिए। प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह आवास पर मौजूद थे या नहीं, यह तुरंत पता नहीं चल सका। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़े। इसके बाद शवों को जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट अ फ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया।

फ्रांस में महंगाई पर भड़की हिंसाः राष्ट्रपति मैक्रों ने शांति की अपील की

नई दिल्ली। फ्रांस में बढ़ती महंगाई, शिक्षा बजट में कटौती और चरमराती सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ जारी देशव्यापी प्रदर्शनों के दौरान हिंसक दंगों, लूटपाट की घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'शांति और व्यवस्था' बनाए रखने की अपील की है। राष्ट्रपति कार्यालय (एलिसी पैलेस) से राष्ट्र के नाम दिए टीवी संबोधन में श्री मैक्रों ने प्रदर्शनकारियों से स्थिति को और न बिगड़ने देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हम सभी गुस्सा और शर्मिंदगी महसूस कर रहे हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदर्शनकारियों की 'जायज मांगों' और तोड़फोड़ व लूटपाट के जिम्मेदार उपद्रवियों के बीच स्पष्ट फर्क किया जाना चाहिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार को पूरे फ्रांस में ५,५०,००० से अधिक लोग सड़कों पर उतरे। अधिकतर प्रदर्शन हालांकि शांतिपूर्ण रहे, लेकिन रात ढलते ही कई शहरों में हिंसा भड़क उठी। सप्ताहांत के दौरान पुलिस ने २,००० से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं गृह मंत्रालय ने यह संख्या लगभग २,४०० बताई है। पेरिस, मार्सिले, ल्योन और लिमोगेस में नकाबपोश समूहों ने दुकानों में तोड़फोड़ की, गाड़ियों में आग लगा दी और सरकारी इमारतों को नुकसान पहुंचाया। लिमोगेस में आग लगने के कारण १४३ वर्ष पुराने टाउन हॉल का गुंबद ढह गया। रविवार को भी पेरिस के कुछ हिस्सों में झड़पें जारी रहने पर भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। श्री मैक्रों ने इस हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी तबाही को 'किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता'। उन्होंने वादा किया कि उपद्रवियों को सख्त सजा



दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने जनता की शिकायतों के समाधान के लिए इस सप्ताह ठोस उपायों पर बैठकों की प्रतिबद्धता जताई। यह विरोध प्रदर्शन सितंबर में पेरिस के उपनगरीय इलाकों के विद्यालयों में शिक्षकों और छात्रों की हड़ताल से शुरू हुआ था, जो कर्मी बढ़ाने और बेहतर संसाधनों की मांग कर रहे थे। बाद में कक्षाओं में भीड़, कर्मचारियों की कमी, महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता को लेकर यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया। वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी द्वारा छात्रा को प्रतिबंधित तरीके से गर्दन से दबोचने की घटना सामने आते ही जन आक्रोश और भड़क गया। पुलिस पर बेतहाशा बल प्रयोग का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में कूद पड़े। इस अशांति ने मैक्रों सरकार को भारी राजनीतिक दबाव में ला खड़ा किया है। विरोधी सवाल उठा रहे हैं कि क्या प्रशासन प्रदर्शन के इतने बड़े पैमाने का अंदाजा लगाने में पूरी तरह नाकाम रहा। स्थिति पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू सोमवार को कैबिनेट की आपात बैठक करने वाले थे। घटनाक्रम पर राजनीतिक नेताओं की अलग–अलग प्रतिक्रियाएं आई हैं। दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन ने वामपंथियों पर जन आक्रोश का फायदा उठाने का आरोप लगाया, वहीं वामपंथी नेता ज्यां–ल्यूक मेलेनचोन ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन के अधिकार का बचाव किया। आगे उपद्रव की आशंका के मद्देनजर मार्सिले प्रशासन ने सभाओं पर पाबंदी लगा दी है। फ्रांस का यह आंदोलन बढ़ती महंगाई, मकानों की किल्लत और बदहाल सार्वजनिक सेवाओं को लेकर पूरे यूरोप में पनप रहे असंतोष का हिस्सा है। बेल्जियम, पुर्तगाल, इटली और अल्बानिया में भी ऐसे ही आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन दर्ज किए गए हैं। इस स्थिति ने फ्रांस सरकार के लिए कानून–व्यवस्था बहाल करने के साथ–साथ प्रदर्शनों के पीछे की बुनियादी आर्थिक और सामाजिक समस्याओं को सुलझाने की बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

परंपरा, प्रतिभा और उत्साह का संगम बना जयपुरिया विद्यालय का 'विजयोत्सव 2026

लखीमपुर खीरी । सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल, लखीमपुर खीरी में 'विजयोत्सव २०२६ द स्पिरिट अ फ विक्ट्री' का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संसेंति, पौराणिक कथाओं और परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत, दीप प्रज्वलन एवं पूजा के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य डॉ. प्रदीप गुप्ता, ओम फाउंडेशन की अध्यक्षा प्रियंका गुप्ता जी तथा विद्यालय की डायरेक्टर प्राप्ति गुप्ता जी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इसके बाद गणेश वंदना की भक्तिमय प्रस्तुति ने कार्यक्रम का वातावरण आध्यात्मिक बना दिया।कार्यक्रम का संचालन लोकप्रिय रेडियो ज की विकास झा ने अपने रोचक, हँसमुख और ऊर्जावान अंदाज में किया। उनकी मजेदार बातों और सहज प्रस्तुति ने दर्शकों को खूब आनंदित किया और पूरे कार्यक्रम में उत्साह बनाए रखा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत इंस्ट्रूमेंटल बैंड की मधुर धुनों से हुई। इसके बाद हनुमान चालीसा पर आधारित नृत्य प्रस्तुति ने भक्ति और ऊर्जा का सुंदर संगम दिखाया। नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। लव–कुश संवाद के माध्यम से बच्चों ने रामायण के प्रसंगों को जीवंत किया और अपनी संवाद अदायगी तथा मंच प्रस्तुति से सबका ध्यान आकर्षित किया। नर्सरी के बच्चों ने नवदुर्गा की झाँकी में माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों को प्रस्तुत कर भारतीय संसेंति और शक्ति उपासना का परिचय दिया। दशावतार की प्रस्तुति में भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों को दर्शाया गया। वहीं, यूकेजी के विद्यार्थियों ने रंग–बिरंगी गुजराती वेशभूषा में डांडिया प्रस्तुत कर गुजरात की लोकसंसेंति की झलक दिखाई। एलकेजी के बच्चों ने शिव परिवार की झाँकी के माध्यम से भगवान शिव और उनके परिवार का सुंदर चित्रण किया। रक्तबीज प्रसंग पर आधारित अभिनय और धुनुची नृत्य ने कार्यक्रम में एक अलग आकर्षण जोड़ा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक महोदय डॉ. आशीष कुमार गुप्ता ने विजयोत्सव के अवसर पर अपने संदेश में विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। डायरेक्टर प्राप्ति गुप्ता और प्रियंका गुप्ता जी ने अपने संदेश में बच्चों को अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ने, अपनी संस्कृति से जुड़े रहने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के लिए प्रोत्साहित किया।विद्यालय की प्रधानाचार्य गजाला कौसर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर देना और उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन तथा अच्छे संस्कार विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों की सहभागिता के लिए विशेष गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। इसके बाद डांडिया उत्सव में विद्यार्थियों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगीत की धुनों पर थिरकते प्रतिभागियों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और रावण दहन के साथ हुआ। रावण दहन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया।

जमुनिया में कई किसान मुआवजे से वंचित, आखिर क्यों नहीं मिला सभी को आपदा राहत का लाभ

लखीमपुर खीरी। ग्राम पंचायत जमुनिया में आपदा के दौरान किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचने के बावजूद कई किसान मुआवजे की धनराशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का सवाल है कि जब सरकार ने फसल नुकसान का सर्वे कराकर पात्र किसानों को मुआवजा देने के निर्देश दिए थे, तो आखिर कुछ किसानों को ही राहत क्यों मिली और बाकी किसानों की बर्बाद फसल का आकलन क्यों नहीं किया गया।मामले में एक और सवाल राजस्व विभाग के अधिकारियों से है। बताया गया कि बांध के अंदर रहने वाले किसानों को ही मुआवजे का लाभ मिलेगा, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार बांध के इस पार रहने वाले कुछ किसानों को भी मुआवजा दिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि बांध के अंदर रहने वाले किसानों को ही पात्र माना गया था, तो बांध के दूसरी ओर के कुछ किसानों को मुआवजा किस आधार पर दिया गया? वहीं, अन्य प्रभावित किसान अब तक राहत राशि से वंचित क्यों हैं? उच्चाधिकारियों से किसानों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। फसल नुकसान के सर्वे, पात्र किसानों की सूची और मुआवजा वितरण के आधार की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए, ताकि आपदा से प्रभावित किसी भी पात्र किसान के साथ अन्याय न हो। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लेकर वंचित किसानों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

पीडब्ल्यूडी ठेकेदार की मनमानी के खिलाफ बोलीं तो निशाने पर आईं महिला प्रधान सविता मिश्रा- मुल्लापुर में एकतरफा खबर पर ग्रामीणों में आक्रोश

लखीमपुर–खीरी। पसगवा विकास खण्ड की ग्राम पंचायत मुल्लापुर की कर्मठ और जुझारू महिला ग्राम प्रधानध्प्रशासक श्रीमती सावित मिश्रा ने एकतरफा और भ्रामक बताया है।ग्रामीणों का कहना है कि जिस दौर में महिला प्रधान केवल नाम की रह जाती हैं, उस दौर में सविता मिश्रा ने महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश की है। गांव के विकास, सड़क की गुणवत्ता और ग्रामीणों के हक के लिए वह खुद मौके पर खड़ी होकर आवाज उठा रही हैं यही एक सच्चे जनप्रतिनिधि की पहचान है।प्रधान पक्ष का स्पष्ट कहना है कि पीडब्ल्यूडी की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के ठेकेदार नरसिंह तोमर ने गांव में प्लांट लगाने के लिए जमीन और रहने के लिए जगह का आश्वासन दिया था। उनके मुंशी उमेश ने भी यही बात दोहराई थी। ऐसे में गांव के हित में प्रधान का सवाल पूछना, कोई अवरोध नहीं बल्कि जिम्मेदार नेतृत्व है। मौके की तस्वीरें गवाही दे रही हैं कि इस महत्वपूर्ण सड़क पर मिट्टी मिली गिट्टी डाली जा रही है।अगर प्रधान ने गुणवत्ता को लेकर आवाज उठाई और गांव के अंदर की ३०० मीटर सड़क पहले बनाने की मांग की, तो इसमें गलत क्या है? यह तो हर जागरूक प्रधान को करना चाहिए। सविता मिश्रा का यह कदम दर्शाता है कि वह कमीशन नहीं, काम में विश्वास रखती हैं।

खीरी में 'प्रेस' के नाम पर वसूली गैंग सक्रिय, दीपावली पर विज्ञापन के नाम पर ब्लैकमेलिंग

लखीमपुर–खीरी।जनपद खीरी में इन दिनों सड़क पर गुजरने वाली हर दूसरी बाइक और फर्राटा भरती कारों पर 'प्रेस' लिखा स्टीकर चमक रहा है। सूचना कार्यालय और जिला प्रशासन ने आज तक अभियान बनाकर जांच नहीं की, नतीजा फर्जी पत्रकारों की फौज बेलगाम है। शहर से लेकर कस्बों तक छानबीन की जाए तो कई ऐसे 'प्रेस' वाले गिरफ्त में आएंगे जिनका पत्रकारिता से दूर–दूर तक कोई नाता नहीं। न अखबार, न चौनल, न सूचना विभाग में पंजीकरण बस गाड़ी पर प्रेस लिखाकर रौब।असली खेल अब दीपावली सीजन में शुरू हुआ है। यही फर्जी प्रेस वाले निजी हॉस्पिटलों, स्कूल प्रबंधकों, ब्लॉक कार्यालयों और प्रधानों के यहां भनभना रहे हैं। सीधा फॉर्मूला 'दीपावली शुभकामना का विज्ञापन दे दो, वरना खबर चला देंगे। विज्ञापन के नाम पर ११०० से २१०० रुपये तक वसूली न देने पर फर्जी/भ्रामक खबरों की धमकी। कई पीड़ित दुकानदार/चिकित्सक और प्रधान/सचिव दहशत में चुप हैं। जिला प्रशासन लखीमपुर–खीरी खुद गुमराह है कि कौन असली है और कौन नकली। असली, मान्यता प्राप्त पत्रकारों की साख इन फर्जी लोगों की वजह से दांव पर लगी है। जरूरत है कि त्योहार से पहले प्रशासन अ परेशन फर्जी प्रेसश चलाए, हर प्रेस लिखी गाड़ी और प्रेस कार्ड का सत्यापन हो, और जो फर्जी मिले उस पर सख्त कार्रवाई हो।

दसवीं में अच्छे अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए डॉक्टर और इंजीनियर बनने की राह आसान होगी

लखनऊ। दसवीं में अच्छे अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए डॉक्टर और इंजीनियर बनने की राह आसान होगी। योगी सरकार जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में कक्षा १२ के विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों को जेईई और नीट की तैयारी के लिए दक्षणा फाउंडेशन के माध्यम से एक साल की निःशुल्क कोचिंग दिलाएगी। चयनित विद्यार्थियों को पुणे के निकट दक्षणा वैली परिसर में कोचिंग के साथ आवास और भोजन की सुविधा भी मुफ्त मिलेगी। समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह के अनुसार, शैक्षिक सत्र २०२६–२७ में कक्षा १२ विज्ञान वर्ग में पढ़ रहे और मई २०२७ तक बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी संयुक्त दक्षणा चयन परीक्षा (जेडीएसटी–२०२७) के लिए निर्धारित पात्रता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए



सामान्य श्रेणी के छात्रों के कक्षा १० के गणित और विज्ञान में कम से कम ८५ प्रतिशत अंक जरूरी हैं। छात्राओं के लिए यह सीमा ८० प्रतिशत रखी गई है। अन्य श्रेणियों और दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अलग मानक निर्धारित हैं। मेडिकल वर्ग में सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए दसवीं में ८० प्रतिशत अंक जरूरी हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए ७५ प्रतिशत, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए ६५ प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। योजना का लाभ लेने के लिए छात्रों के परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये और छात्राओं के परिवार की आय पांच लाख रुपये से कम होनी चाहिए। सर्वोदय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को पात्र विद्यार्थियों को आवेदन के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी **https://apply-scholarship-dakshana-org** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के नन्हे-मुन्ने अब पढ़ाई से भागेंगे नहीं, बल्कि खुद बस्ता खोलकर बैठेंगे

लखनऊ। लखनऊ के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के नन्हे–मुन्ने अब पढ़ाई से भागेंगे नहीं, बल्कि खुद बस्ता खोलकर बैठेंगे। एनसीईआरटी ने नर्सरी से लेकर दूसरी कक्षा तक के बच्चों की पढ़ाई को एकदम आसान और मजेदार बनाने के लिए 'ई–मैजिक बॉक्स' ऐप ल न्च किया है। इस ऐप का असली जादू इसमें मौजूद तीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) बॉट्स हैं, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक की हर मुश्किल दूर करेंगे इसमें ऐसी मजेदार कहानियां और रचनात्मक खेल हैं, जिन्हें सुनकर बच्चों का दिमाग तेज होगा और उनमें ध्यान से सुनने की आदत पड़ेगी। बच्चे के नखरों से परेशान हैं? 'पैरेंट तारा' बॉट माता–पिता को बताएगा कि बच्चों के साथ कैसा बर्ताव करना है और उन्हें कैसे संभालना है। बच्चों के दिमाग में उठने वाले अतरंगी और तीखे सवालों का सीधा और सटीक जवाब ये एआई टीचर मिनटों में दे देगी। इस ऐप को प्ले–स्टोर से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। अगर आपके पास इंटरनेट या स्मार्टफोन नहीं है, तो भी टेंशन की बात नहीं है। आप अपने फोन से टोल–फ्री नंबर १८००–२१२–०१७३ या १५१०८ डायल करके अपनी भाषा में रोज नई कहानी, गाना और ज्ञान की बातें सुन सकते हैं।

फैजुल्लागंज में बाढ़ के बाद बीमारियों का खतरा

लखनऊ। फैजुल्लागंज में बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रामक और मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है। इससे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने १० बेड का अस्थायी अस्पताल शुरू किया है। इसमें चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती के साथ दवाओं और मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्था भी है। ये अस्थायी अस्पताल सुबह ८ से रात ८ बजे तक ही संचालित हो रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन मौसमी बीमारियों के ५० से ६० मरीज पहुंच रहे हैं। बाढ़ प्रभावित इलाके में बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने २७ टीमें लगाई हैं। ये टीमें घर–घर जाकर मरीजों की पहचान करने के साथ दवाएं वितरित कर रही हैं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि गंभीर मरीजों को रामसागर मिश्रा अस्पताल समेत अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया जाएगा। इसके लिए इलाके में २४ घंटे एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा सके। उधर,नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फैजुल्लागंज की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. आसमा के नेतृत्व में आशा और एएनएम की टीम ने जुगल विहार क लोनी व नंदा फार्म में ५५ घरों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया। लोगों को दवाएं, क्लोरीन की गोलियां व ओआरएस पैकेट बांटे गए। घरों में पानी जमा न होने देने और साफ–सफाई रखने के प्रति जागरूक किया गया। विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में १०८ एंबुलेंस की २४ घंटे तैनाती की है। मिल्लत नगर की कच्ची ढाल के पास मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए ३२ लोगों को चिकित्सा सुविधा दी गई। फैजुल्लागंज में बना ५० बेड का अस्पताल अभी मरीजों के इलाज के लिए शुरू नहीं हो सका है। अस्पताल के आसपास अब भी जलभराव है। रास्ते में कीचड़ और कई जगह पानी भरा होने से मरीजों की आवाजाही मुश्किल है। बाढ़ के बाद अस्पताल की सफाई भी अब तक नहीं कराई गई है। ऐसे में यहां मरीजों की भर्ती शुरू नहीं हो पाई है। सीएमओ के मुताबिक, अस्पताल को अगले महीने से शुरू कराने की उम्मीद है। फिलहाल जलभराव दूर होने और साफ–सफाई के बाद ही यहां मरीजों की भर्ती शुरू हो सकेगी।

बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के अंतर्गत शुक्लन पुरवा गांव में दोपहर पारिवारिक कलह ने खूनी रूप ले लिया

लखनऊ। लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) थाना क्षेत्र के अंतर्गत शुक्लन पुरवा गांव में सोमवार दोपहर पारिवारिक कलह ने खूनी रूप ले लिया। मामूली विवाद को लेकर एक चाचा ने अपने ही भतीजे पर धारदार हथियार (बांके) से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस खूनी संघर्ष में भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे नाजुक हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, शुक्लन पुरवा गांव के रहने वाले अजय मिश्रा उर्फ गुड्डन और उसके भतीजे दिव्यांशु मिश्रा उर्फ शुभम के बीच आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद और झगड़ा होता रहता था। सोमवार की दोपहर लगभग ३रू१५ बजे एक बार फिर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर चाचा अजय मिश्रा उर्फ गुड्डन ने घर में रखे बांके से भतीजे दिव्यांशु पर वार कर दिया। हमले में दिव्यांशु लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। इस बीच मारपीट के दौरान आरोपी चाचा खुद भी चोटिल हो गया। घटना की सूचना अजय मिश्रा के पुत्र करन ने तुरंत डायल ११२ पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बीकेटी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने आनन–फानन में दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से रामसागर मिश्र सौ शैया अस्पताल, बीकेटी भेजा। वहां ड क्टरों ने दिव्यांशु मिश्रा उर्फ शुभम की गंभीर हालत को देखते हुए उसे लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया था। हालांकि, परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर न ले जाकर इलाज के लिए सीधे किसी निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी अजय मिश्रा उर्फ गुड्डन पहले से ही आपराधिक किस्म का व्यक्ति है। उसका आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले भी कई लोगों के साथ झगड़ा और मारपीट कर चुका है। इस संबंध में थाना प्रभारी राधेश्याम मौर्य ने बताया कि अभी तक इस मामले में परिवार की तरफ से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही तुरंत रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच–पड़ताल कर रही है।

सौमित्र विहार योजना में खुलेंगे ६०० भूखंडों के रजिस्ट्रेशन

लखनऊ। आवास विकास की मोहनलालगंज स्थित नई जेल रोड सौमित्र विहार योजना में पहले चरण में ६०० भूखंडों के लिए पंजीकरण खोला जाएगा। आवास विकास रेरा में पंजीकरण के लिए आवेदन कर चुका है। हरी झंडी मिलते ही दीपावली पर पंजीकरण खोलने की तैयारी है। आवास विकास की करीब १५ वर्ष बाद लखनऊ में यह आवासीय योजना शुरू होने जा रही है। लैंड पूलिंग पर आवास विकास की यह पहली योजना है। आवास विकास ने योजना की लांचिंग के लिए तैयारी पूरी कर ली है। योजना में मुख्य सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। वाटर लाइन डालने का काम चल रहा है। योजना में बिजली के लिए १२५ केवीए का पावर हाउस आवास विकास का विद्युत विभाग बना रहा है। आवास विकास की अवध विहार योजना में ६४ आवासीय भवन बनाए जाएंगे। इसके लिए परिषद ने रेरा में पंजीकरण कराने के लिए आवेदन कर दिया है। अनुमति मिलते ही इन मकानों के लिए अ नलाइन पंजीकरण खोला जाएगा। निर्माण खंड लखनऊ ६ इन भवनों का निर्माण करेगा। इससे पहले यहां करीब १०२ भवन बनाए जाने थे। अवैध निर्माण होने के कारण ले–आउट में संशोधन किया गया।

उच्च न्यायालय में वकीलों की अपील खारिज, २५ को चलेगा अवैध चौंबरों पर बुलडोजर

लखनऊरू अवैध चेंबर मामले में शनिवार को उच्च न्यायालय ने वकीलों की अपील फिर खारिज कर दी। अब अवैध चौंबरों पर २५ अक्टूबर को बुलडोजर चलेगा। पिछले रविवार को भी नगर निगम की टीम बुलडोजर लेकर गई थी, लेकिन फोर्स न मिल पाने से स्वास्थ्य भवन चौराहे पर दिन खड़े रहने के बाद टीम को लौटना पड़ा था। जोनल अधिकारी ओपी सिंह ने कहा था कि नवरात्र एवं दशहरा के कारण १८ अक्टूबर को कार्रवाई संभव नहीं हो पाई। उन्होंने २५ अक्टूबर को अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की संभावना जताई थी। सिविल कोर्ट और आस–पास लगभग २११ चौंबर और अवैध निर्माण तोड़े जाने हैं। सार्वजनिक स्थल पर बने इन अवैध निर्माणों से कैसरबाग क्षेत्र में दिन भर जाम की समस्या बनी रहती है। उच्च न्यायालय के १० सितंबर २०२६ के आदेश के बाद नगर निगम ने २२ सितंबर को अवैध निर्माणों पर नोटिस चस्पा करके जवाब देने के लिए एक हफ्ते का समय दिया था। लेकिन एक भी अवैध निर्माणकर्ता ने जवाब नहीं दिया।



इसके बाद नगर निगम ने २८ सितंबर को सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अवैध कब्जेदारों को ३ अक्टूबर तक आपत्ति दाखिल करने का समय दिया था। इसके बाद लगभग १४ अवैध कब्जेदारों ने आपत्ति दर्ज की थीं। निर्माण एवं जमीन से संबंधित कोई अभिलेख न दिखा पाने के कारण नगर निगम ने आपत्तियां खारिज कर दी थीं।

शिवा शर्मा मौत मामले पर अखिलेश का योगी सरकार पर हमला, बोले- सरकार को ले डूबेगा यह केसय तीन पुलिस अफसरों पर गिरी गाज

लखनऊ। कारोबारी शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत और फरार चल रही चर्चित म डल श्रद्धा दुबे प्रकरण ने उत्तर प्रदेश की सियासत में भूचाल ला दिया है। लखनऊ के हजरतगंज इलाके में हुई इस सनसनीखेज घटना के बाद से पुलिस की लचर कार्यप्रणाली और नाकामी लगातार सवालों के घेरे में थी। अब इस मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर बेहद तीखा और बड़ा हमला बोला है। अखिलेश यादव ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है, बल्कि यह चर्चित केस अंततः इस सरकार को ले डूबेगा। सपा मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने इस पूरे प्रकरण की तुलना कानपुर के कुख्यात बिकरू कांड से कर डाली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उस समय भी अपराधियों की गाड़ी नहीं पलटी थी और सरकार को बचाया गया था, यह मामला भी कुछ वैसा ही प्रतीत होता है। अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय में आया है जब इस हाईप्रोफाइल केस में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं और मुख्य आरोपी म डल श्रद्धा दुबे का कनेक्शन कई रसूखदारों और नामचीन चेहरों के साथ सामने आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि घटना के इतने दिन बीत जाने और पुलिस द्वारा मुख्य आरोपी पर ५० हजार रुपये का इनाम घोषित करने के बाद भी खाकी उसे ढूंढने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। एक तरफ जहां पुलिस श्रद्धा की तलाश में हाथ–पैर मार रही है, वहीं दूसरी तरफ पुलिस को खुली चुनौती देते हुए श्रद्धा लगातार एक के बाद एक वीडियो जारी कर रही है। हद तो तब हो गई जब फरार चल रही आरोपी श्रद्धा ने एक प्रमुख समाचार एजेंसी को इंटरव्यू तक दे दिया। इस घटना के बाद से यूपी पुलिस की देश भर में जमकर फजीहत और किरकिरी हुई है। मृत कारोबारी शिवा को धमकाते



हुए श्रद्धा का पुराना वीडियो और वायरल अ डियो पहले ही सनसनी फैला चुके हैं, जिसमें वह किसी श्सरश से शिकायत करने की बात कहती नजर आ रही थी। फरार म डल द्वारा मीडिया में बेखौफ इंटरव्यू दिए जाने और पुलिस की भारी जगं हंसाई होने के बाद आखिरकार शासन ने सख्त रुख अख्तियार किया है। पुलिस विभाग की साख बचाने के लिए सरकार ने एक आईपीएस अधिकारी समेत तीन बड़े पुलिस अफसरों पर गाज गिरा दी है। शासन द्वारा की गई इस बड़ी कार्रवाई के तहत डीसीपी पूर्वी विक्रांत वीर को उनके पद से हटाते हुए सीधे डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। इसके अलावा, लचर कानून–व्यवस्था और लापरवाही के चलते हजरतगंज कोतवाली के इंस्पेक्टर विक्रम सिंह को भी लाइन हाजिर कर दिया गया है। वहीं, कार्यप्रणाली पर सवाल उठने के बाद एसीपी रजनीश वर्मा को भी हजरतगंज सर्किल से हटाकर एसीपी क्राइम के पद पर भेज दिया गया है। बीती ६ अक्टूबर को लखनऊ के एक हाई–राइज फ्लैट से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर कारोबारी शिवा शर्मा की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक कारोबारी की मां ने म डल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन समेत चार लोगों के खिलाफ बेटे को ऊपर से धक्का देकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। परिवार का आरोप है कि शिवा के मोबाइल फोन में श्रद्धा दुबे के कई काले कारनामों और राज के सबूत दर्ज हैं। फिलहाल, एसआईटी और पुलिस इस मामले की हर एंगल से गहराई से छानबीन कर रही है, लेकिन मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी न होना और उस पर राजनीतिक दलों का हमलावर होना इस मामले को राज्य का सबसे बड़ा और संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा बना चुका है।

टाइगर श्रॉफ पर हमला करने वाले पकड़े गए

मुंबई। फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपी पकड़े गए हैं। तीनों को राजस्थान के कोटा से पकड़ा गया। तीनों हमलावरों में से एक बिहार का और दो हरियाणा के रहने वाले हैं। इस बीच टाइगर श्रॉफ पर हमले को लेकर मुंबई पुलिस ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें पुलिस ने बताया कि, जिस तरह से गोलियां चलाईं गईं उससे लगता है कि आरोपी हत्या की योजना से ही आए थे। पुलिस ने बताया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के अनिल पंडित ने हमला करने कॉक न्ट्रैक्ट दिया था। यह भी बताया गया है कि अनिल ने वीडियो जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली। गौरतलब है कि हमले में टाइगर श्रॉफ को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। फायरिंग में उनका ड्राइवर भी घायल हुआ है। बहरहाल,



रविवार की शाम को टाइगर पर हमला करने वालों को करीब १५ घंटे में राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सुबह साढ़े १० बजे तीनों को रेलवे स्टेशन से पकड़ा। कोटा की एसपी तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों पुणे से जयपुर जाने वाली ट्रेन से जयपुर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि तीनों बिना टिकट ट्रेन में सवार हुए थे। तीनों को जनरल कोच में हिरासत में लिया गया। इनके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। राजस्थान पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए तीनों संदिग्धों में दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। इनमें हरियाणा के सोनीपत का रेहान और बिहार के बेगूसराय का ऋतिक कुमार उर्फ रोशन शामिल हैं। पहले तीसरे आरोपी के नाबालिग होने की बात सामने आई थी। लेकिन बाद में पुलिस ने इससे इनकार किया। मुंबई पुलिस के जानकार सूत्रों के मुताबिक, आरोपी करीब १० दिनों से टाइगर श्रॉफ पर नजर रख रहे थे।

रितेश देशमुख का तेलुगु सिनेमा में डेब्यू



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। रितेश,राम पोथिनेनी की फिल्म 'आरएपीओ२३' में अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। फिल्म के निर्माताओं ने रितेश के प्रोजेक्ट से जुड़ने की घोषणा की है। सेट से जारी बिहाइंड द सीन्स वीडियो में राम पोथिनेनी उनका गर्मजोशी से स्वागत करते और गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस झलक ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। 'आरएपीओ२३' के जरिए राम पोथिनेनी निर्देशन के क्षेत्र में भी कदम रख रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी के प्रोडक्शन हाउस रापो सिनेमैटिक्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म नियो–नोयर शैली पर आधारित है। 'एक विलेन', 'रेड २' और 'राजा शिवाजी' जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुके रितेश देशमुख अब तेलुगु दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने की तैयारी में हैं। फिल्म में संयुक्ता मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर थिरुनावुकरासु (तिरु), प्रोडक्शन डिजाइनर एएस प्रकाश और संगीतकार सैम सीएस शामिल हैं। इसके एक्शन श्यों की जिम्मेदारी पीटर हेन, विक्रम मोर और केविन संभाल रहे हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में जारी है। रितेश के तेलुगु डेब्यू और राम पोथिनेनी के निर्देशन में पहली बार काम करने के कारण यह फिल्म चर्चा में है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।